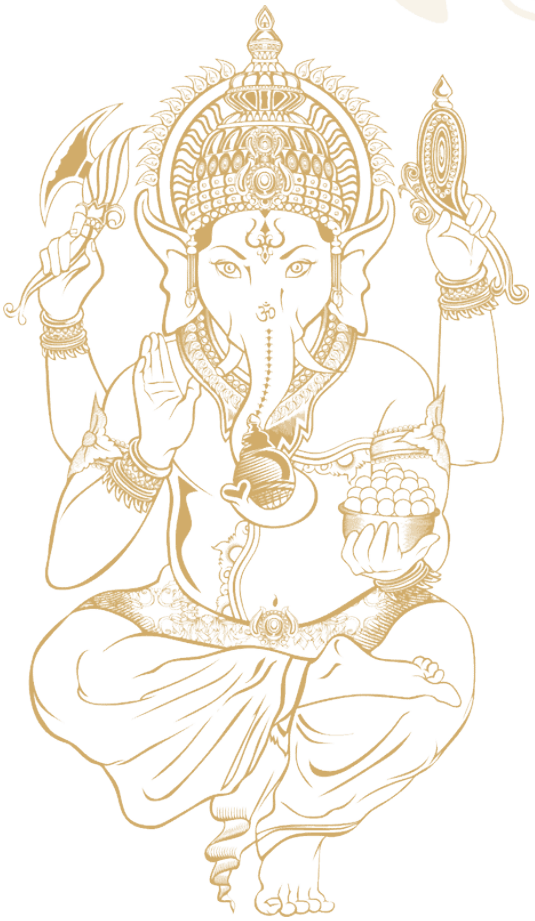

Sw

17 Aug 1962

04:00 PM

Mumbai

Model: web-FreeVarshphal **Order No: 121511802**

स्त्रीलिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
17/08/1962	जन्म तिथि	**17-18/08/2026**
शुक्रवार	दिवस	सोम–मंगळवार
कला 16:00:00	जन्म समय	01:32:24 कला
घटी 24:09:23	जन्म समय(घटी)	48:00:03 घटी
India	देश	India
Mumbai	स्थान	Mumbai
उत्तर 18:58:00	अक्षांश	18:58:00 उत्तर
पूर्व 72:50:00	रेखांश	72:50:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
कला -00:38:40	स्थानिक संस्कार	-00:38:40 कला
कला 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 कला
06:20:14	सूर्योदय	06:20:22
19:05:43	सूर्यास्त	19:04:41
23:19:54	लाहिरी अयनांश	24:13:54

धनु	लग्न	वृषभ
गुरु	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
कुम्भ	राशि	तुला
शनि	राशि–स्वामी	शुक्र
पू.भाद्रपद	नक्षत्र	चित्रा
गुरु	नक्षत्र स्वामी	मंगळ
1	चरण	4
सुकर्मा	योग	शुभ
गर	करण	कौलव
से–सेनजित	जन्म नामाक्षर	री–रीतिका
सिंह	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह
शूद्र	वर्ण	शूद्र
मानव	वश्य	मानव
सिंह	योनि	व्याघ्र
मनुष्य	गण	राक्षस
आद्य	नाड़ी	मध्य
मेष	वर्ग	मृग
64	गत / तत्कालिक वर्ष	65

जन्म – विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ
मूल	4	13:14:14	धनु		
मघा	1	00:42:14	सिंह		
पू.भाद्रपद	1	23:00:17	कुंभ		
मृगशिरा	4	03:23:46	मिथु		
पू.फाल्गुनी	2	18:11:37	सिंह		
शतभिषा	3	16:12:27	कुंभ	व	
हस्त	2	16:00:30	कन्या		
श्रवण	2	13:31:33	मक	व	
पुष्य	4	15:35:58	कर्क	व	
श्रवण	2	15:35:58	मक	व	
मघा	3	07:07:31	सिंह		

वर्ष – विवरण

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
लग्न			वृष	24:45:33	1	मृगशिरा
सूर्य			सिंह	00:42:14	1	मघा
चंद्र			तुला	04:51:53	4	चित्रा
मंगळ			मिथु	10:02:10	2	आर्द्रा
बुध			कर्क	20:29:40	2	आश्लेषा
गुरु			कर्क	16:26:03	4	पुष्य
शुक्र			कन्या	16:32:54	2	हस्त
शनि	व		मीन	20:06:38	2	रेवती
राहु			कुंभ	05:35:57	4	धनिष्ठा
केतु			सिंह	05:35:57	2	मघा
मु			मेष	13:14:14	4	अश्विनी

व – वक्री स – स्थिर
अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

लाहिरी अयनांश : 24:13:54

लग्न–चलित

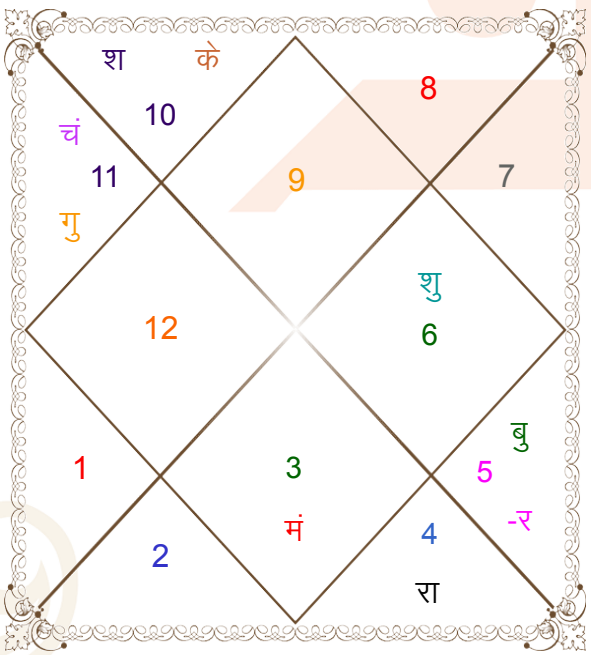

वर्ष लग्न कुंडली

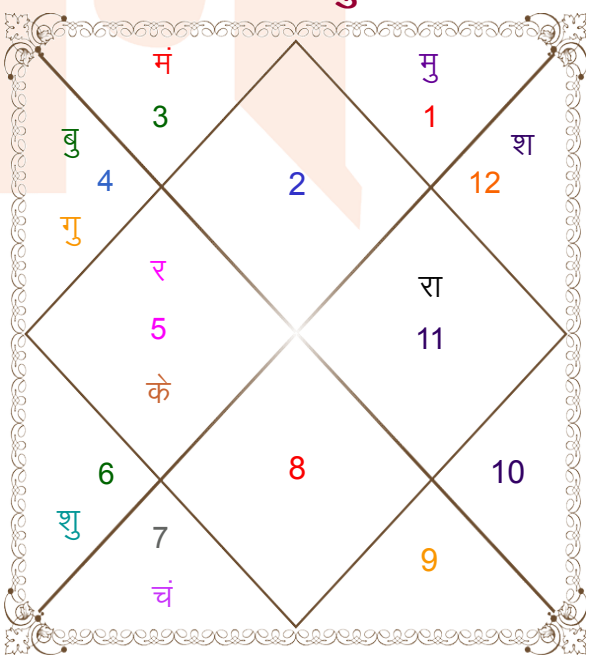

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शुक्र - राहु - शनि	
14/01/2026 13:50	
07/07/2026 01:41	
शनि	11/02/2026 01:06
बुध	07/03/2026 14:59
केतु	17/03/2026 17:53
शुक्र	15/04/2026 15:51
सूर्य	24/04/2026 08:03
चंद्र	08/05/2026 19:02
मंगळ	18/05/2026 21:55
राहु	13/06/2026 22:30
गुरु	07/07/2026 01:41

शुक्र - राहु - बुध	
07/07/2026 01:41	
09/12/2026 07:14	
बुध	29/07/2026 01:28
केतु	07/08/2026 02:47
शुक्र	01/09/2026 23:43
सूर्य	09/09/2026 18:00
चंद्र	22/09/2026 16:27
मंगळ	01/10/2026 17:47
राहु	25/10/2026 00:37
गुरु	14/11/2026 17:21
शनि	09/12/2026 07:14

शुक्र - राहु - केतु	
09/12/2026 07:14	
11/02/2027 05:17	
केतु	13/12/2026 00:43
शुक्र	23/12/2026 16:23
सूर्य	26/12/2026 21:06
चंद्र	01/01/2027 04:56
मंगळ	04/01/2027 22:25
राहु	14/01/2027 12:31
गुरु	23/01/2027 01:04
शनि	02/02/2027 03:57
बुध	11/02/2027 05:17

शुक्र - राहु - शुक्र	
11/02/2027 05:17	
12/08/2027 20:17	
शुक्र	13/03/2027 15:47
सूर्य	22/03/2027 18:56
चंद्र	07/04/2027 00:11
मंगळ	17/04/2027 15:51
राहु	15/05/2027 01:18
गुरु	08/06/2027 09:42
शनि	07/07/2027 07:41
बुध	02/08/2027 04:36
केतु	12/08/2027 20:17

शुक्र - राहु - सूर्य	
12/08/2027 20:17	
06/10/2027 15:11	
सूर्य	15/08/2027 14:01
चंद्र	20/08/2027 03:36
मंगळ	23/08/2027 08:18
राहु	31/08/2027 13:32
गुरु	07/09/2027 20:51
शनि	16/09/2027 13:03
बुध	24/09/2027 07:20
केतु	27/09/2027 12:02
शुक्र	06/10/2027 15:11

शुक्र - राहु - चंद्र	
06/10/2027 15:11	
05/01/2028 22:41	
चंद्र	14/10/2027 05:48
मंगळ	19/10/2027 13:39
राहु	02/11/2027 06:22
गुरु	14/11/2027 10:34
शनि	28/11/2027 21:33
बुध	11/12/2027 20:01
केतु	17/12/2027 03:51
शुक्र	01/01/2028 09:06
सूर्य	05/01/2028 22:41

शुक्र - राहु - मंगळ	
05/01/2028 22:41	
09/03/2028 20:44	
मंगळ	09/01/2028 16:10
राहु	19/01/2028 06:16
गुरु	27/01/2028 18:49
शनि	06/02/2028 21:42
बुध	15/02/2028 23:02
केतु	19/02/2028 16:31
शुक्र	01/03/2028 08:11
सूर्य	04/03/2028 12:54
चंद्र	09/03/2028 20:44

शुक्र - गुरु - गुरु	
09/03/2028 20:44	
17/07/2028 17:32	
गुरु	27/03/2028 04:18
शनि	16/04/2028 17:48
बुध	05/05/2028 03:21
केतु	12/05/2028 17:09
शुक्र	03/06/2028 08:37
सूर्य	09/06/2028 20:28
चंद्र	20/06/2028 16:12
मंगळ	28/06/2028 06:01
राहु	17/07/2028 17:32

शुक्र - गुरु - शनि	
17/07/2028 17:32	
18/12/2028 22:44	
शनि	11/08/2028 03:33
बुध	01/09/2028 23:53
केतु	10/09/2028 23:48
शुक्र	06/10/2028 16:40
सूर्य	14/10/2028 09:43
चंद्र	27/10/2028 06:09
मंगळ	05/11/2028 06:03
राहु	28/11/2028 09:14
गुरु	18/12/2028 22:44

शुक्र - गुरु - बुध	
18/12/2028 22:44	
05/05/2029 22:20	
बुध	07/01/2029 11:52
केतु	15/01/2029 13:03
शुक्र	07/02/2029 12:59
सूर्य	14/02/2029 10:34
चंद्र	25/02/2029 22:32
मंगळ	05/03/2029 23:42
राहु	26/03/2029 16:27
गुरु	14/04/2029 02:00
शनि	05/05/2029 22:20

शुक्र - गुरु - केतु	
05/05/2029 22:20	
01/07/2029 17:56	
केतु	09/05/2029 05:52
शुक्र	18/05/2029 17:08
सूर्य	21/05/2029 13:19
चंद्र	26/05/2029 06:57
मंगळ	29/05/2029 14:30
राहु	07/06/2029 03:02
गुरु	14/06/2029 16:51
शनि	23/06/2029 16:45
बुध	01/07/2029 17:56

शुक्र - गुरु - शुक्र	
01/07/2029 17:56	
11/12/2029 01:56	
शुक्र	28/07/2029 19:16
सूर्य	05/08/2029 22:04
चंद्र	19/08/2029 10:44
मंगळ	28/08/2029 22:00
राहु	22/09/2029 06:24
गुरु	13/10/2029 21:52
शनि	08/11/2029 14:44
बुध	01/12/2029 14:40
केतु	11/12/2029 01:56

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक कष्ट की प्राप्ति करेंगे। इस समय आपकी मानसिक स्थिति भी दयनीय रहेगी तथा मन में संताप से व्याकुलता की प्रबलता रहेगी। साथ ही अन्य कई प्रकार से आपको दुःखों की प्राप्ति होगी। इस समय संतति या स्त्री से आपको कोई विशेष सुख एवं सहयोग नहीं मिलेगा तथा इनसे आपको कष्ट की ही प्राप्ति होगी साथ ही सामाजिक जनों के मध्य आपके मान सम्मान में भी न्यूनता रहेगी तथा सभी लोग आपको उपहास का पात्र समझेंगे तथा छोटी छोटी बातों पर आपकी हंसी उड़ाएंगे। मित्र वर्ग से भी इस वर्ष आपको कोई सहयोग या लाभ नहीं मिलेगा। इस समय निम्न श्रेणी की महिलाओं से आपको अत्यधिक हानि तथा कष्ट प्राप्त होगा अतः प्रयत्नपूर्वक इनकी उपेक्षा करें तथा इनसे सावधान रहें।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए भी वर्ष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय व्यापार में समस्याएं उत्पन्न होंगी तथा हानि की भी संभावना रहेगी। अतः आपको अत्यधिक परिश्रम करना पड़ेगा। साथ ही नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी अवन्नति की संभावना रहेगी अतः इस समय उच्चाधिकारी वर्ग या वरिष्ठ नेताओं की उपेक्षा न करें तथा विनम्रता पूर्वक उनकी आज्ञा का पालन करें। आर्थिक स्थिति भी इस समय अच्छी नहीं रहेगी तथा समय समय पर आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ेगा। इस वर्ष में आप जो भी कार्य प्रारंभ करेंगे उनमें आपको असफलता ही प्राप्त होगी। अतः नवीन कार्यो को इस समय प्रारंभ न करें तथा धैर्य एवं शान्ति पूर्वक समय व्यतीत करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा साथ ही मानसिक चिन्ता तथा अशान्ति भी विद्यमान रहेगी। इस वर्ष में आपका व्यय अधिक होगा तथा अन्यत्र भी हानि की संभावनाएं रहेंगी तथा लाभ अल्प रहेगा फलतः आर्थिक स्थिति में शिथिलता आएगी जिससे आपको यदा कदा धनाभाव की अनुभूति होगी तथा उससे आपको समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। धर्म के प्रति भी इस समय आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक प्रवृतियों की आप उपेक्षा ही करेंगी।साथ ही सतमित्रों के सहयोग में भी अल्पता रहेगी । अपने बन्धु एवं मित्र वर्ग के प्रति भी आपके मन में विशेष मधुरता या स्नेह का भाव नहीं रहेगा फलतः इनसे भी आपको अल्प मात्रा में ही सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष विशेष शुभ नहीं रहेगा तथा यदा कदा आपको इस क्षेत्र में समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में इस समय उच्चाधिकारी तथा वरिष्ठ नेता आपसे असन्तुष्ट तथा अप्रसन्न रहेंगे फलतः उन्नति के मार्ग अवरुद्ध होंगे।व्यापार आदि कार्यो में भी इस वर्ष उन्नति या लाभ नहीं मिलेगा तथा कार्य क्षेत्र में आपको न्यूनता का आभास रहेगा अतः ऐसे समय में किसी नए कार्य को प्रारंभ नहीं करना चाहिए तथा अपने साझेदार या सहयोगियों से भी सतर्क रहना चाहिए। इसके अतिरिक्त इस समय भूमि या जायदाद संबधी परेशानी भी हो सकती है अतः ऐसे समय में आपको धैर्य तथा संयम रखकर समय व्यतीत करना चाहिए।